4. एक बैंक के ग्राहक द्वारा लिया गया कर्ज पूर्णरूप से दूसरे बैंक में जमा करा दिया जाता हैं, और दूसरे बैंक का तीसरे बैंक में, इसी तरह आगे अन्य बैंक में।

5. प्रत्येक बैंक दूसरे बैंक के ऋणी द्वारा जमा कराई गई राशि से प्रारम्भ करता है जो उसकी प्रारंभिक जमा होती है।

ये मान्यताएं दी होने पर मान लीजिए कि प्रारम्भ में A बैंक 1000 रु. नकदी जमा प्राप्त करता है। यह बैंक के पास नकदी है जो इसकी परिसंपत्ति (asset) है और यही राशि जमा धारण के रूप में बैंक की देयता (liability) भी है। रिज़र्व अनुपात 10 प्रतिशत दिया होने पर, बैंक 100 रु. रिज़र्व में रखता है और 900 रु. अपने किसी एक ग्राहक को उधार दे देता है। जो आगे, इतनी ही राशि का चैक किसी अन्य व्यक्ति को दे देता है जिससे वह कुछ वस्तु खरीदता है या उसको रुपया उधार देता है। बैंक A के चिट्ठे या तुलन-पत्र (balance sheet) में निवल (net) परिवर्तन ये होते हैं : + रु. 100 रिजर्व में + रु. 900 परिसंपत्तियों की तरफ कर्जे और देयताओं की तरफ रु. 900 मांग जमाएं, जैसा कि तालिका 1 में दर्शाया गया है। इन परिवर्तनों से पूर्व बैंक A के शून्य अतिरिक्त रिज़र्व थे।

तालिका 1 : बैंक A का चिट्ठा

परिसम्पत्तियां		*देयताएं*	
रिज़र्व	रु. 1000	जमाएं	रु. 1000
निवल परिवर्तन		*निवल परिवर्तन*	
रिज़र्व	रु. 100		
कर्जे	रु. 900	जमाएं	रु. 100

रु. 900 का यह कर्जा ग्राहक द्वारा बैंक B में जमा करा दिया जाता है जिसका चिट्ठा तालिका 2 में दिखाया गया है। बैंक B रु. 900 की जमा के साथ प्रारंभ करता है और इसका 10 प्रतिशत अथवा रु. 90 नकदी रिज़र्व में रखता है। बैंक B के पास रु. 810 अतिरिक्त रिज़र्व के रूप में हैं जो वह कर्ज देता है जिससे नई जमाएं निर्मित होती हैं।

तालिका 2 : बैंक B का चिठ्ठा

परिसम्पत्तियां		*देयताएं*	
रिज़र्व	रु. 900	जमाएं	रु. 900
निवल परिवर्तन		*निवल परिवर्तन*	
रिज़र्व	रु. 90	जमाएं	रु. 900
कर्जे	रु. 810		

रु. 810 का यह कर्जा बैंक B का ग्राहक बैंक C में जमा करा देता है। बैंक C का चिठ्ठा तालिका 3 में दिखाया गया है। बैंक C रु. 81 या रु. 810 का 10 प्रतिशत अपने पास रिज़र्व में रखता है और रु. 729 कर्ज दे देता है।

तालिका 3 : बैंक C का चिठ्ठा

परिसम्पत्तियां		*देयताएं*	
रिज़र्व	रु. 810	जमाएं	रु. 810
निवल परिवर्तन		*निवल परिवर्तन*	
रिज़र्व	रु. 81	जमाएं	रु. 810
कर्जे	रु. 729		